CBSE Class 06 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-03 नादान दोस्त

1. केशव और श्यामा के मन में अंडों को देखकर तरह-तरह के सवाल क्यों उठते थे?
उत्तर:- केशव और श्यामा के मन में अंडों को देखकर अनेक प्रश्न उठते थे जैसे कि अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह आएँगे? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे ? घोंसला कैसा है? क्योंकि वे अंडों के बारे में जानना चाहते थे।

2. अंडों के बारे में दोनों आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?
उत्तर:- केशव और श्यामा दोनों आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे दिया करते थे क्योंकि उनके प्रश्नों का उत्तर देने वाला घर में कोई नहीं था। न अम्मा को घर के काम-धंधों से फ़ुरसत थी, न बाबूजी को पढ़ने-लिखने से ।

3. अंडों के टूट जाने के बाद माँ के यह पूछने पर कि - 'तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा।' के जवाब में श्यामा ने क्या कहा और उसने ऐसा क्यों किया?
उत्तर:- अंडों के टूट जाने के बाद माँ के यह पूछने पर कि - 'तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा।' के जवाब में श्यामा ने बताया कि केशव ने अंडों को छेड़ा, अम्माँ जी क्योंकि उसे लगा कि केशव ने ही शायद अंडों को इस तरह रख दिया था कि वे नीचे गिर पड़े। इसकी उसे सज़ा मिलनी चाहिए।

4. पाठ के आधार पर बताओ कि अंडे गंदे क्यों हुए और उन अंडों का क्या हुआ?
उत्तर:- केशव के छूने से चिड़िया के अंडे गंदे हो गए । किसी के हाथ लगाए अंडों को चिड़िया नहीं सेती। चिड़िया अंडों को घोंसले से गिरा देती है और इस तरह अंडे बर्बाद हो जाते हैं।

5. सही उत्तर क्या है?
अंडों की देखभाल के लिए केशव और श्यामा धीरे से बाहर निकले क्योंकि -
(क) वे माँ की नींद नहीं तोड़ना चाहते थे।
(ख) माँ नहीं चाहती थीं कि वे चिड़ियों की देखभाल करें।
(ग) माँ नहीं चाहती थीं कि वे बाहर धूप में घूमें।
उत्तर:- अंडों की देखभाल के लिए केशव और श्यामा धीरे से बाहर निकले क्योंकि माँ नहीं चाहती थीं कि वे बाहर धूप में घूमें।

6. केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?
उत्तर:- केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की देखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा -

1. आराम के लिए कपड़ा बिछाया।
2. धूप से बचाने के लिए टोकरी से ढक दिया।
3. पास में दाना और पानी की प्याली भी रखी।

---

7. कार्निस पर अंडों को देखकर केशव और श्यामा के मन में जो कल्पनाएँ आईं और उन्होंने चोरी-चुपके जो कुछ कार्य किए, क्या वे उचित थे? तर्क सहित उत्तर लिखो।
उत्तर:- कार्निस पर अंडों को देखकर केशव और श्यामा के मन में जो कल्पनाएँ आईं और उन्होंने चोरी-चुपके जो कुछ कार्य किए, वे उचित नहीं थे परंतु उनकी बालसुलभ जिज्ञासाओं का उत्तर देने के लिए कोई नहीं था और उन्हें इस बात का भी ज्ञान नहीं था कि चिड़िया के अंडे को नहीं छूते। वे तो उसे सुख-सुविधाएँ देना चाहते थे। अगर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया होता तो वे ऐसा नहीं करते।

---

8. पाठ से मालूम करो कि माँ को हँसी क्यों आई? तुम्हारी समझ से माँ को क्या करना चाहिए था?
उत्तर:- माँ को बच्चों की नादानी व अज्ञानता पर हँसी आ गई। माँ को बच्चों को अंडों के विषय में जानकारी देनी चाहिए थी ।

9 . माँ के सोते ही केशव और श्यामा बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर:- माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में चिड़िया के अंडों के लिए टोकरी और दाना-पानी रखने बाहर निकल आए।पिटाई के डर से, माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया।

---

10. प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?
उत्तर:- मैं इस कहानी में वर्णित बचपन की नादानियों को देखते हुए इसका नाम 'बचपन की नादानियाँ' रखना चाहूँगा।

---

11. अनजाने में हुई गलती पर केशव को कई दिनों तक अफ़सोस होता रहा। दोबारा उससे कोई ऐसी गलती न हो इसके लिए तुम उसे क्या सुझाव दे सकते हो,इसे लिखो।
उत्तर:- केशव से दोबारा ऐसी गलती न हो; इसके लिए मैं निम्नलिखित सुझाव देना चाहूँगा -
1. वह अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करे।
2. अगर उसे कुछ करने से रोका जा रहा है तो उसके पीछे की वजह समझने का प्रयास करे।
3. वह अपनी नवीन योजनाओं की चर्चा अपने माता-पिता, शिक्षक से करे व उनकी राय जानने के प्रयास करे।

---

12. केशव और श्यामा चिड़िया के अंडों को लेकर बहुत उत्सुक थे। क्या तुम्हें भी किसी नई चीज़, जगह या बात पर कौतूहल महसूस हुआ है? ऐसे किसी अनुभव का वर्णन करो और बताओ कि ऐसे में तुम्हारे मन में क्या-क्या सवाल उठे?
उत्तर:- जब मैं पाँच साल का था मै पहली बार हवाई जहाज़ से दिल्ली नानी से मिलने जाने वाला था तब मुझे बहुत कौतूहल

महसूस हुआ था। जिसे रोज़ आसमान में देखने की चाह रहती थी ;उसी हवाई जहाज से मैं सफ़र करनेवाला था। मेरे मन में कई प्रश्न उभरते थे जैसे इतने छोटे हवाई जहाज़ में सब कैसे बैठेंगे ? हम सुरक्षित पहुँचेंगे या नहीं? या हवाई जहाज को थोड़ी देर आसमान में रोककर बाहर निकलकर तारे देख सकते हैं क्या?

• भाषा की बात

13. श्यामा माँ से बोली मैंने आपकी बातचीत सुन ली है।

ऊपर दिए उदाहरण में मैंने का प्रयोग 'श्यामा' के लिए और आपकी का प्रयोग 'माँ' के लिए हो रहा है। जब सर्वनाम का प्रयोग कहने वाले, सुनने वाले या किसी तीसरे के लिए हो, तो उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। नीचे दिए गए वाक्यों में तीनों प्रकार के पुरुषवाचक सर्वनामों के नीचे रेखा खींचो -

एक दिन दीपू और नीलु यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनद ले रहे थे? तभी उन्होंने देखा कि एक लंबा आदमी लड़खड़ाता हुआ उनकी ओर चला आ रहा है। पास आकर उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा ''मैं भूख से मरा जा रहा हूँ? क्या आप मुझे कुछ खाने को दे सकते हैं ?''

उत्तर:- एक दिन दीपू और नीलु यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे? तभी उन्होंने देखा कि एक लंबा आदमी लड़खड़ाता हुआ उनकी ओर चला आ रहा है ।पास आकर उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा ''मैं भूख से मरा जा रहा हूँ? क्या आप मुझे कुछ खाने को दे सकते हैं ?''

उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम - मैं, मुझे

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम - आप

अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम - उन्होंने, उनकी, उसने

14. तगड़े बच्चे

मसालेदार सब्जी

बड़ा अंडा

इसमें रेखांकित शब्द क्रमश: बच्चे, सब्जी और अंडा की विशेषता यानी गुण बता रहे हैं इसलिए ऐसे विशेषणों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं। इसमें व्यक्ति या वस्तु के अच्छे-बुरे हर तरह के गुण आते हैं। तुम चार गुणवाचक विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ।

उत्तर:- सुंदर माला - नेहा के गले में सुंदर माला थी।

लाल गुलाब - पूजा के लिए लाल गुलाब का हार बना दो।

गरीब लड़की - गरीब लड़की ठंड से काँप रही थी।

दयालु सेठ - सोहन की मदद एक दयालु सेठ ने की।

15. नीचे कुछ प्रश्नवाचक वाक्य दिए गए हैं, उन्हें बिना प्रश्नवाचक वाक्य के रूप में बदलो -

1. अंडे कितने बडे होंगे?

2. किस रंग के होंगे?

3. कितने होंगे ?

4. क्या खाते होंगे?
5. उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएँगे?
6. बच्चों के पर कैसे निकलेंगे?
7. घोंसला कैसा है?
उत्तर:- 1. अंडे बड़े होंगे।
2. उनका रंग बताओ।
3. अंडों की संख्या बताओ।
4. उनका खाना बताओ।
5. उनमें से बच्चे निकलेंगे।
6. बच्चों के पर निकलेंगे।
7. घोंसले के विषय में बताओ।

---

16. (क) केशव ने झुँझलाकर कहा...
(ख) केशव रोनी सूरत बनाकर बोला...
(ग) केशव घबराकर उठा..
(घ) केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा...
(ड) श्यामा ने गिड़गिड़ाकर कहा...
ऊपर लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखो। ये शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण का काम कर रहे हैं क्योंकि ये बताते हैं कि कहने, बोलने और उठने की क्रिया कैसे हुई। 'कर' वाले शब्दों के क्रियाविशेषण होने की एक पहचान यह भी है कि ये अक्सर क्रिया से ठीक पहले आते हैं। अब तुम भी इन पाँच क्रियाविशेषणों का वाक्यों में प्रयोग करो।
उत्तर:- 1. झुँझलाकर - अमर ने झुँझलाकर खिलौने फेंक दिए।
2. बनाकर - माँ ने मुझे मोतीचूर के लड्डू बनाकर दिए।
3. घबराकर - राज अक्सर घबराकर झूठ बोल देता है।
4. टिकाकर - लड़के ने अपने ठेले को दीवार से टिकाकर रख दिया।
5. गिड़गिड़ाकर - मंदिर के बाहर एक भिखारी गिड़गिड़ाकर भीख माँग रहा था।

---

17. नीचे प्रेमचंद की कहानी 'सत्याग्रह' का एक अंश दिया गया है। तुम इसे पढ़ोगे तो पाओगे कि विराम चिह्नों के बिना यह अंश अधूरा-सा है। तुम आवश्यकता के अनुसार उचित जग़हों पर विराम चिह्न लगाओ -
उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया 11 बज चुके थे चारों तरफ़ सन्नाटा छा गया था पंडित जी ने बुलाया खोमचेवाले खोमचेवाला कहिए क्या दूँ भूख लग आई न अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है हमारा आपका नहीं मोटेराम अबे क्या कहता है यहाँ क्या किसी साधू से कम हैं चाहें तो महीने पड़े रहें और भूख न लगे तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि ज़रा अपनी कुप्पी मुझे दे देखूँ तो वहाँ क्या रेंग रहा है मुझे भय होता है |
उत्तर:- उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया ।11 बज चुके थे, चारों तरफ़ सन्नाटा छा गया था। पंडित जी ने बुलाया-

---

खोमचेवाले! खोमचेवाला- कहिए क्या दूँ? भूख लग आई न। अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है; हमारा आपका नहीं। मोटेराम ! अबे क्या कह कहता है? यहाँ क्या किसी साधू से कम हैं। चाहें तो महीने पड़े रहें और भूख न लगे। तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि जरा अपनी कुप्पी मुझे दे। देखूँ तो वहाँ क्या रेंग रहा है? मुझे भय होता है।